हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)

कक्षा : बी० ए० प्रथम वर्ष

सत्र : 2024-25

विषय : प्रयोजनमूलक हिंदी (HIND-101)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	सरकारी कार्यालय में उपयोग होने वाले माध्यम जैसे- सरकारी पत्र, टिप्पण, प्रारूपण आदि।	पत्रों के विभिन्न प्रकार, पत्राचार, टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन आदि का विस्तार से वर्णन।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	मुहावरे और लोकोक्तियाँ, शब्द और वाक्य शुद्धी एवं शब्दों के विभिन्न प्रकार।	मुहावरे और लोकोक्तियों का विस्तार से वर्णन, शाब्दिक शुद्धी, वर्तनी शुद्धी, शब्दों के प्रकारों का विस्तार से वर्णन।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 3	देवनागरी लिपि और अनुवाद प्रक्रिया।	देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि का विस्तार, देवनागरी लिपि लेखन की समस्याएं और उनका समाधान। अनुवाद का अर्थ, प्रकार, विशेषताएं और प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	कंप्यूटर में हिंदी प्रयोग।	कंप्यूटर का विस्तार से वर्णन तथा वर्तमान समय में कंप्यूटर का प्रयोग, हिंदी में कंप्यूटर का विभिन्न कार्यों में प्रयोग का विस्तार से वर्णन।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० प्रथम वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : हिंदी साहित्य का इतिहास (HIND-102)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	हिंदी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण।	आदिकालीन सभी काव्य धाराओं और उनकी प्रवृत्तियों का विस्तार से वर्णन।	अगस्त- सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	भक्ति काल।	भक्ति आंदोलन एवं सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। भक्ति काल के प्रमुख कवि तथा उनकी प्रवृत्तियाँ का विस्तार से वर्णन।	सितम्बर- अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -3	रीतिकाल।	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। रीतिकाल की तीनों काव्य धाराएं और उनकी प्रवृत्तियाँ तथा इस काल के प्रमुख कवियों की रचनाएं एवं उनकी प्रवृतियों का विस्तार से वर्णन।	अक्टूबर- नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -4	आधुनिक काल।	1857 की क्रांति का साहित्य पर प्रभाव। नवजागरण काल की प्रमुख प्रवृत्तियां, भारतेंदु युगीन प्रवृत्तियां, द्विवेदी युगीन प्रवृत्तियां, छायावाद आदि की प्रमुख प्रवृत्तियां और प्रमुख कवियों का विस्तार से वर्णन।	दिसम्बर- मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० प्रथम वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : मध्यकालीन हिंदी कविता (HIND-103)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	कबीर और सूरदास	व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्यगत विशेषताएं, कबीर के पद, सूरदास के पदों की विस्तृत व्याख्या।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	तुलसीदास और मीराबाई	व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्यगत विशेषताएं, तुलसीदास के पद, मीराबाई के पदों की विस्तृत व्याख्या।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 3	रसखान और बिहारी	व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्यगत विशेषताएं, रसखान के पद, बिहारी के पदों की विस्तृत व्याख्या।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	भूषण और घनानंद	व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्यगत विशेषताएं, भूषण के पद, घनानंद के पदों की विस्तृत व्याख्या।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० प्रथम वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : हिंदी भाषा और संप्रेषण (HIND-104)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	भाषा।	भाषा की परिभाषा, प्रकृति, विविध रूप, भाषा की विशेषताएं आदि का विस्तार से वर्णन।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	हिंदी की वर्ण व्यवस्था।	स्वर एवं व्यंजन के प्रकारों का विस्तार से वर्णन।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 3	वर्णों का उच्चारण स्थान।	वर्णों का का उच्चारण स्थान का विस्तार से वर्णन एवं प्रत्येक वर्ण की ध्वनि का प्रयोग और विस्तार से वर्णन।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	भाषा संप्रेषण के चरण तथा वाक्य निर्माण।	भाषा संप्रेषण के सभी चरणों का विस्तार से वर्णन तथा हिंदी वाक्य रचना, भेद और वाक्य रूपांतरण आदि का विस्तार से वर्णन।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० द्वितीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : अनिवार्य हिंदी रचना पुंज (HIND-201)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	कबीर, घनानंद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और बालकृष्ण शर्मा नवीन।	इन सभी कवियों की रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं और कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध और सुदामा पांडे धूमिल।	इन सभी कवियों की रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं और कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -3	प्रेमचंद, मोहन राकेश, काशीनाथ सिंह और उदय प्रकाश।	इन लेखकों की गद्य रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, रचना समीक्षा एवं लेखकों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -4	महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह	इन लेखकों की गद्य रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, रचना समीक्षा	दिसम्बर-मार्च	व्याख्यान/ पी०

	दिनकर और श्री लाल शुक्ल	एवं लेखकों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	(6 सप्ताह)	पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० द्‌वितीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : आधुनिक हिंदी कविता (HIND-202)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	भारतेंदु हरिश्चंद्र और अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध।	इन कवियों की रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं और कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	मैथिलीशरण गुप्त और जयशंकर प्रसाद।	इन कवियों की रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं और कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -3	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला और सच्चिदानंद हीरानंद	इन कवियों की रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं और कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

	वात्स्यायन ‘अज्ञेय’।			
ईकाई - 4	नागार्जुन और नरेश मेहता	इन कवियों की रचनाओं की विस्तृत व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं और कवि का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० द्वितीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : हिंदी गद्य साहित्य (HIND-203)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	जैनेंद्र कुमार और इनका उपनकहानी ‘त्यागपत्र’	त्यागपत्र उपन्यास का पाठपरक अध्ययन और तात्विक समीक्षा, लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद, यशपाल एवं उषा प्रियंवदा और इनकी कहानियाँ	इन लेखकों की कहानियों का पाठपरक अध्ययन और तात्विक समीक्षा, सभी लेखकों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

ईकाई - 3	रामचंद्र शुक्ल एवं हजारी प्रसाद दविवेदी और इनके निबंध	इन लेखकों के निबंधों का पाठपरक अध्ययन और तात्विक समीक्षा तथा लेखकों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	महादेवी वर्मा एवं प्रभा खेतान और इनके निबंध	इन लेखिकाओं के निबंधों का पाठपरक अध्ययन और तात्विक समीक्षा तथा लेखिकाओं का व्यक्तित्व एवं कृतित्व की विस्तार से व्याख्या।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए०द्वितीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : कार्यालयी हिंदी (HIND-204)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	हिंदी भाषा के विविध रूप।	राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनसंचार भाषा, शिक्षण माध्यम भाषा, जन भाषा, सृजनात्मक भाषा, यांत्रिक भाषा का विस्तार से वर्णन।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	राजभाषा।	राजभाषा का स्वरूप, राजभाषा की संवैधानिक स्थिति का विस्तार से वर्णन और राजभाषा के रूप में हिंदी के समक्ष व्यावहारिक कठिनाइयों और इसके समाधान का विस्तार से	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

		वर्णन।		
ईकाई - 3	टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण/ आलेखन (ड्राफ्टिंग), पल्लवन, संक्षेपण, पत्राचार, प्रशासनिक पत्रावली।	टिप्पण (नोटिंग), प्रारूपण/ आलेखन (ड्राफ्टिंग), पल्लवन, संक्षेपण का विस्तार से वर्णन और विभिन्न प्रकार के पत्राचार का विस्तृत वर्णन, प्रशासनिक शब्दावली की निष्पादन प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन।	अक्टूबर- नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	पारिभाषिक शब्दावली और कार्यालयी प्रयोग में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग।	पारिभाषिक शब्दावली की विस्तृत व्याख्या तथा कार्यालयी प्रयोग में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों के अनुप्रयोग का विस्तृत वर्णन। जैसे - कंप्यूटर, टैबलेट, लैपटॉप, टेली प्रिंटर, टैलेक्स, वीडियो कॉन्फ्रेंस इत्यादि।	दिसम्बर- मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० द्वितीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : अनुवाद विज्ञान (HIND-206)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	अनुवाद विज्ञान	अनुवाद के अर्थ को स्पष्ट करते हुए उसकी परिभाषाएं, अनुवाद से संबंधित विद्वानों के मत, अनुवाद का सामान्य परिचय तथा अनुवाद शब्द की व्युत्पत्ति परक व्याख्या, अनुवाद के विभिन्न भेद का	अगस्त- सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

		विस्तार से वर्णन। अनुवाद कला, शिल्प अथवा विज्ञान की स्पष्ट व्याख्या। अनुवाद की समस्याएं, अनुवाद की प्रक्रिया एवं भाषांतरण से अभिप्राय आदि का विस्तार से वर्णन। कार्यालय अनुवाद की विशेषताएं, कार्यालय अनुवाद के स्वरूप और अनुवाद के साधन आदि की विस्तार से चर्चा। अनुवाद के विभिन्न भेदों का विस्तार से वर्णन ।		
ईकाई -2	अनुवाद के विविध रूप	अनुवाद के विविध रूप जैसे- काव्य अनुवाद, मुहावरे और लोकोक्तियों के अनुवाद, नाटक के अनुवाद आदि का विस्तार से वर्णन । पुनरीक्षण या पर्यवेक्षण (वेटिंग) की विस्तार से चर्चा। पुनरीक्षण के स्वरूप और महत्व का वर्णन।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -3	वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद	वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली के अनुवाद के सिद्धांत और समस्याएं, संक्षिप्ताक्षरों एवं कूट पदों के अनुवाद, आंचलिक शब्दावली के अनुवाद, व्यंजन परक लाक्षणिक पद प्रयोग के अनुवाद, अनुवाद की संपादन विधि, अनुवादक की अर्हता, आदर्श अनुवाद की विशेषताएं आदि का विस्तार से वर्णन।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -4	विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिंदी	विश्व भाषाओं की प्रमुख कृतियों के हिंदी अनुवाद एवं हिंदी की प्रमुख कृतियों के	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

	अनुवाद एवं हिंदी की प्रमुख कृतियों के विश्व भाषा में अनुवाद,भारत के प्रमुख अनुवाद प्रशिक्षण केंद्र ।	विश्व भाषा में अनुवाद की विस्तृत व्याख्या,भारत के प्रमुख अनुवाद प्रशिक्षण केंद्रों का विस्तार से वर्णन। अनुवाद के राष्ट्रीय प्राधिकरण के गठन की आवश्यकता और हिंदी अनुवाद का भविष्य पर विस्तृत रूप में चर्चा।		

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० तृतीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : रंग आलेख एवं रंग - मंच (HIND-301)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	नाटक तथा नाटक के प्रमुख प्रकार।	नाटक और उसका रचना विधान। नाटक के प्रमुख प्रकार जैसे - पूर्णांक, एकांकी, लोक नाटक, प्रहसन, काव्य नाटक, नुक्कड़ नाटक, प्रतीक नाटक, भाव नाटक, पाठ्य नाटक, रेडियो नाटक और टी०वी० नाटक की विस्तार से व्याख्या।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	हिंदी नाट्यशास्त्र और नाट्य	हिंदी नाट्यशास्त्र एवं नाट्य लेखन का इतिहास और हिंदी नाटक की प्रमुख प्रवृत्तियों का	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

	लेखन का इतिहास।	विस्तार से वर्णन।		
ईकाई - 3	हिंदी के प्रमुख नाटक एवं नाटककार तथा हिंदी रंगमंच के प्रमुख रूप।	हिंदी के प्रमुख नाटक और नाटककार का विस्तृत वर्णन तथा हिंदी रंगमंच के प्रमुख रूप जैसे- शौकिया मंच, व्यावसायिक मंच, सरकारी मंच की विस्तृत व्याख्या। हिंदी क्षेत्र की प्रसिद्ध रंग शालाओं तथा संस्थाओं का विस्तृत परिचय।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	रंग शिल्प प्रशिक्षण तथा रंगमंचीय भाषा की विशेषताएँ और रंग आलेख की प्रविधि।	रंग शिल्प प्रशिक्षण के अंतर्गत रंग, स्थापत्य रंग सज्जा, रंग दीपन, ध्वनि व्यवस्था एवं प्रसाधन, निर्देशन एवं अभिनय का विस्तृत वर्णन। रंगमंचीय भाषा की विशेषताओं का विस्तार से वर्णन। रंग आलेख की प्रविधि का विस्तार से वर्णन और रंग निर्देशन की उपयोगिता का विस्तृत विवेचन।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० तृतीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : समाचार संकलन और लेखन (HIND-304)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	समाचार	समाचार की अवधारणा, परिभाषा, बुनियादी तत्व, समाचार और संवाद, संरचना (घटक) समाचार मूल्य तथा समाचार के स्रोत की विस्तृत व्याख्या।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई -2	समाचार का वर्गीकरण,	विभिन्न विषयों के समाचारों की विस्तृत व्याख्या तथा संवाददाता	सितम्बर-अक्टूबर (5	व्याख्यान / पी०

	संवाददाता तथा रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार	की भूमिका, अहर्ता, श्रेणियाँ प्रकार्य एवं व्यवहार आदि पर विस्तार से चर्चा। रिपोर्टिंग के क्षेत्र और प्रकार जैसे - विधायिका, नगर पालिका, मंत्रालय और प्रशासन, विदेश, रक्षा, राजनीति, अपराध और न्यायालय, दुर्घटना आदि अनेक विषयों पर विस्तार से व्याख्या।	सप्ताह)	पी०टी०
ईकाई - 3	समाचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यम तथा लीड	समाचार के इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त समाचारों का पुनर्लेखन तथा लीड का अर्थ, प्रकार, विशेषताएं तथा महत्व की व्याख्या।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई - 4	शीर्षक तथा रिपोर्टिंग	शीर्षक का अर्थ, प्रकार, लिखने की कला तथा महत्व। रिपोर्टिंग की कला तथा विज्ञान के रूप में विस्तृत विश्लेषण वस्तुपरकता और भाषा शैली पर विस्तृत व्याख्या।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०

हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)

कक्षा : बी० ए० तृतीय वर्ष

सत्र : 2024-25

विषय : लोक साहित्य (HIND-305)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	लोक साहित्य।	लोक साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप, लोक साहित्य के विशिष्ट अध्येता, लोक संस्कृति की अवधारणा और लोक संस्कृति	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०

		एवं लोक साहित्य । लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया तथा लोक साहित्य के संकलन की समस्याओं पर विस्तार से व्याख्या।		
ईकाई -2	लोकगीत एवं लोक नाट्य।	लोकगीत के विभिन्न प्रकार जैसे - संस्कार गीत, व्रत गीत, श्रम परिहार गीत, ऋतु गीत आदि की विस्तृत व्याख्या। लोकनाट्य में रामलीला, स्वांग, यक्षगान, भवाई, माच, तमाशा, नौटंकी आदि की विस्तृत व्याख्या।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई - 3	लोक कथा एवं लोक गाथा।	लोक कथा में व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा आदि का विस्तृत वर्णन। लोक कथा के कथानक और रूढ़ियों की परिभाषा एवं लोक कथा निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन। लोक गाथा की भारतीय परंपरा और लोक गाथा की सामान्य प्रवृत्तियां का विस्तृत वर्णन।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई - 4	लोक गाथाओं के विभिन्न प्रकार।	हिमाचल की प्रसिद्ध लोक गाथाओं का विस्तार से वर्णन जैसे- भरथरी गाथा, गूगा गाथा, गढ़ मलौण गाथा, मदना की हार आदि का विस्तृत वर्णन।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०

हिंदी विभाग
राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)
कक्षा : बी० ए० तृतीय वर्ष
सत्र : 2024-25
विषय : छायावादोत्तर हिंदी कविता (HIND-306)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार

ईकाई -1	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' तथा गजानन माधव मुक्तिबोध।	इन कवियों की कविताओं की विस्तृत व्याख्या, कविता का सार रूप, कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा काव्यगत प्रवृत्तियों का विस्तार से विवेचन।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी॰ पी॰टी॰
ईकाई -2	नागार्जुन तथा शमशेर बहादुर सिंह।	इन कवियों की कविताओं की विस्तृत व्याख्या, कविता का सार रूप, कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा काव्यगत प्रवृत्तियों का विस्तार से विवेचन।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी॰ पी॰टी॰
ईकाई -3	भवानी प्रसाद मिश्र तथा कुंवर नारायण।	इन कवियों की कविताओं की विस्तृत व्याख्या, कविता का सार रूप, कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा काव्यगत प्रवृत्तियों का विस्तार से विवेचन।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी॰ पी॰टी॰
ईकाई -4	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तथा केदारनाथ सिंह।	इन कवियों की कविताओं की विस्तृत व्याख्या, कविता का सार रूप, कवियों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा काव्यगत प्रवृत्तियों का विस्तार से विवेचन।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी॰ पी॰टी॰

हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्‌यालय चौपाल,शिमला,(हि॰प्र॰)

कक्षा : बी॰ ए॰ तृतीय वर्ष

सत्र : 2024-25

विषय : आधुनिक भारतीय साहित्य (HIND-307)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण।	स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर इसका प्रभाव। भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार से वर्णन।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई -2	महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद। मार्क्सवाद और अस्तित्ववाद।	महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तृत वर्णन। मार्क्सवाद और अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तार से वर्णन।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई - 3	अनंतमूर्ति का उपन्यास 'संस्कार' और रविंद्र नाथ टैगोर की 'गीतांजलि'	'संस्कार' उपन्यास और 'गीतांजलि' इन दोनों रचनाओं की विस्तृत व्याख्या तथा तात्विक समीक्षा।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०
ईकाई - 4	विजय तेंदुलकर की रचना 'घासीराम कोतवाल'	विजय तेंदुलकर की रचना 'घासीराम कोतवाल' की विस्तृत व्याख्या तथा तात्विक समीक्षा का विस्तार से वर्णन।	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान / पी० पी०टी०

हिंदी विभाग

राजकीय महाविद्यालय चौपाल,शिमला,(हि०प्र०)

कक्षा : बी० ए० तृतीय वर्ष

सत्र : 2024-25

विषय : सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र (HIND-308)

ईकाई / क्र०स०	विषय	विषय विवरण	महीना	शिक्षण का प्रकार
ईकाई -1	रिपोतार्ज एवं फीचर लेखन	रिपोतार्ज का अर्थ, स्वरूप तथा रिपोतार्ज का अन्य गद्य विधाओं के साथ संबंध। रिपोतार्ज और फीचर लेखन प्रविधि के विविध आयामों का विस्तार से वर्णन।	अगस्त-सितम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई -2	साक्षात्कार (इंटरव्यू / भेट वार्ता) एवं स्तंभ लेखन	साक्षात्कार का उद्देश्य एवं प्रकार, साक्षात्कार की प्रविधि और महत्व। समाचार पत्र में विविध स्तंभ लेखन, इनकी विशेषताएं और पत्रिकाओं आदि में समसामयिक ज्ञानवर्धक और मनोरंजक साम्रगी का लेखन का विस्तृत वर्णन।	सितम्बर-अक्टूबर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 3	दृश्य सामग्री का लेखन	छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि से संबंधित लेखन का विस्तार से वर्णन।	अक्टूबर-नवम्बर (5 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०
ईकाई - 4	विभिन्न प्रकार की समीक्षा तथा पत्रकारिकता का वर्णन	विभिन्न प्रकार की समीक्षा तथा पत्रकारिता का वर्णन जैसे- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा। आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता आदि का	दिसम्बर-मार्च (6 सप्ताह)	व्याख्यान/ पी० पी०टी०

		विस्तृत वर्णन।		